नियति उनके जीवन की दशा तय करने लगी। वाशिम में वे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़ गए। उनमें राष्ट्र सेवा का भाव जाग चुका था।

डॉ. हेडगेवार वाशिम आए।

आज यहां 17 स्वयंसेवक संघ की प्रतिज्ञा लेंगे। नाना तुम्हारी प्रतिभा और राष्ट्र के प्रति समर्पण देखकर तुम्हें भी इनमें शामिल किया गया है।